

## **PRESS RELEASE**

### **Mazagon Dock Shipbuilders Limited receives 'Navratna' Status**

**26.06.2024**

Ministry of Finance, Govt. of India has elevated Mazagon Dock Shipbuilders Limited (MDL), India's premier warship and submarine builders to NAVRATNA category on 25 June 2024. MDL is now the 21st Navratna CPSE in the country, 3<sup>rd</sup> in Defence PSUs and the first Shipyard to receive this status. The company posted a consolidated annual turnover of Rs. 9467 Crores and net profit of Rs. 1845 Crores for the FY 2023-24. MDL earned the status of Miniratna- I in 2006. MDL also holds 47.21% of equity share capital of Goa Shipyard Limited, a PSU under Ministry of Defence. Now being elevated to Navratna status, signifies its consistent performance in the recent past and MDL is further committed to play a more significant role in the country's defence landscape and contribute to the growth and development of the sector in the years to come.

"The elevation to Navratna status is a testament to MDL's rich heritage and unwavering commitment to excellence," said Chairman and Managing Director (CMD) of MDL. MDL has achieved this feat owing to its strong legacy of technical proficiency in warship and submarine building and a workforce with professional diligence, innovation and performance that has elevated the growth of the company to new heights. "We are deeply thankful to all our stakeholders for reposing their trust with MDL, and the entire workforce – past & present, whose dedication has been pivotal towards the company's success. We extend our heartfelt gratitude to the Ministry of Defence/ Department of Defence Production, Dept of Public Enterprises, DIPAM and our esteemed customers the Indian Navy, under whose guidance and support, MDL has been able to achieve this milestone", CMD added.

## माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड को नवरत्न दर्जा प्राप्त हुआ।

**26.06.2024**

माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल), भारत के प्रमुख युद्धपोत और पनडुब्बी निर्माता को वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने 25 जून, 2024 को नवरत्न श्रेणी प्रदान की। एमडीएल अब देश में 21वां नवरत्न सीपीएसई है। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए समेकित वार्षिक टर्नओवर रु. 9467 करोड़ और शुद्ध लाभ रु. 1845 करोड़ को दर्ज किया है। एमडीएल को मिनिरत्न-I का दर्जा 2006 में प्राप्त हुआ था। एमडीएल के पास रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक उपक्रम, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड की इकिटि शेअर पूँजी का 47.21% भी है। नवरत्न का दर्जा मिलने के बाद एमडीएल देश के रक्षा परिवेश में और अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में एवं आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र की वृद्धि और विकास करने में प्रतिबद्ध है।

एमडीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) ने कहा, “नवरत्न का दर्जा मिलना एमडीएल की समृद्ध विरासत और उक्तष्टा के प्रति अदृट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।” एमडीएल ने यह उपलब्धि युद्धपोत और पनडुब्बी निर्माण में तकनीकी दक्षता की अपनी मजबूत विरासत परिश्रम, नवाचार और निष्पादन कार्यबल से हासिल की है, जिसने कंपनी के विकास को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। सीएमडी ने आगे कहा - “एमडीएल पर भरोसा करने के लिए हम सभी हितकारकों और भूतपूर्व और वर्तमान के पूरे कार्यबल के आभारी हैं, जिनका समर्पण कंपनी की सफलता के लिए महत्वपूर्ण रहा है। हम रक्षा मंत्रालय / रक्षा उत्पादन विभाग, सार्वजनिक उद्यम विभाग, डीआईपीएम और हमारे सम्मानीय ग्राहक भारतीय नौसेना के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं, जिनके मार्गदर्शन और समर्थन के तहत एमडीएल इस मील के पथर को हासिल करने में सक्षम रहा है।